ब्रह्म नेमिदत्त

जीवन-परिचय : ब्रह्म नेमिदत्त भट्टारक मल्लिभूषण के शिष्य थे। आप संस्कृत, अपभ्रंश, हिन्दी और गुजराती भाषा के विद्वान थे। इन्होंने संस्कृत में चरित, पुराण और कथा आदि ग्रन्थों की रचना की है। इन्होंने मालारोहिणी नामक एक प्रसिद्ध रचना लिखी है। इनका व्यक्तित्व बहुमुखी था।

ये मालवा देश के अशोकनगर के निवासी थे। इनका गोत्र गोयल था और ये अग्रवाल जाति के थे।

ब्रह्म नेमिदत्त का समय विक्रम की 16वीं शताब्दी है।

रचना-परिचय : ब्रह्म नेमिदत्त पुराणकाव्य और आचारशास्त्र के रचयिता हैं। इनकी निम्नलिखित रचनाएँ प्राप्त हैं-

1. आराधनाकथाकोश, 2. नेमिनाथपुराण, 3. श्रीपालचरित, 4. सुदर्शनचरित, 5. रात्रि-भोजन त्याग कथा, 6. प्रीतङ्करमहामुनि चरित, 7. धन्यकुमारचरित, 8. नेमिनिर्वाणकाव्य, 9. नागकुमारकथा, 10. धर्मोपदेशपीयूषपर्व श्रावकाचार, 11. मालारोहिणी, 12. आदित्यवारव्रत रास।